

महाकुंभ: मौत पर भारी पड़ा आस्था का सैलाब

■ भगदड़ में झारखंड के दो लोगों सहित 30 की मौत की सूचना, 60 गंभीर रूप से घायल ■ मौनी अमावस्या पर 9 करोड़ से अधिक लोगों ने संगम में लगायी डुबकी

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रयागराज। महाकुंभ में मंगलवार देर रात भगदड़ मच गयी थी। इसमें झारखंड के दो लोगों सहित 30 लोगों की मौत की सूचना है। हालांकि मौत की संख्या की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है। उधर, बुधवार को मौनी अमावस्या के मौके पर आस्था का सैलाब भगदड़ पर भारी रहा। घटना के कुछ ही देर बाद प्रशासन की तत्परता से स्थिति सामान्य होती चली गयी। मौनी अमावस्या पर 9 करोड़ से अधिक लोगों ने डुबकी लगायी। लोगों की भीड़ को देखते हुए प्रायगराज के एंट्री प्वाइंट को बंद कर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने लोगों से संयम बरतने की अपील की। योगी ने कहा कि श्रद्धालु संगम पर ही स्नान करने की नहीं सोचें। गंगा हर जगह पवित्र है। वे जहां हैं, उसी तट पर स्नान करें।

रात करीब 1.50 बजे मची भगदड़: प्रयागराज महाकुंभ में संगम तट पर मंगलवार-बुधवार की रात करीब 1.50 बजे भगदड़ मच गयी। इस हादसे में अब तक 30 लोगों की मौत की सूचना आ रही



साधु-संतों के साथ आम लोगों ने किया स्नान

बुधवार को मौनी अमावस्या थी। इस मौके पर साधु-संतों के साथ-साथ आम लोगों ने भी स्नान किया। प्रयागराज में बुधवार को नौ करोड़ से ज्यादा लोग पहुंचे। लोगों की भीड़ इतनी थी कि तिल रखने की भी जगह नहीं थी। मौनी अमावस्या पर सबसे पहले तीन शंकराचार्यों ने अमृत स्नान किया। इसके बाद साधु-संत छोटे-छोटे समूह में अपने इष्टदेव के साथ सांकेतिक रूप से संगम स्नान कर रहे हैं। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज रथ पर निकले। नागा साधुओं ने तलवारें लहरायीं। जयकारे लगाते हुए संगम घाट पहुंचे। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि महाराज ने संगम में डुबकी लगायी। हेलिकॉप्टर से संतों और श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गयी। उधर, भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज में एंट्री करने वाले 8 प्वाइंट, भदोही, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, मिर्जापुर बॉर्डर को बंद कर दिया गया था। प्रशासन ने बताया कि महाकुंभ में आज मौनी अमावस्या का स्नान है। इसके चलते करीब 9 करोड़ श्रद्धालु शहर में मौजूद हैं। संगम समेत 44 घाटों पर बुधवार देर रात तक 8 से 10 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का अनुमान है।

है। वहीं, 70 से ज्यादा लोग घायल हैं। मरने वालों की संख्या भी बढ़ सकती है। घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। हालांकि आधिकारिक रूप से मरने वालों की संख्या अभी तक जारी नहीं की गयी है। जिन शवों की पहचान होती जा रही है, पोस्टमार्टम के बाद उन्हें परिजनों को सौंपा जा रहा है। खबर लिखे जाने तक 20 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके थे।

प्रशासन ने तत्काल उठाया कदम: प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे के बाद 70 से ज्यादा एंबुलेंस संगम तट पर पहुंचीं। इनसे घायलों और मृतकों को अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद संगम तट पर एनएसजी

घटना दुखद.....

प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है। मैं लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ संपर्क में हूं।

भगदड़ की खबर से मन व्यथित है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त तीर्थयात्री परिवारों के साथ हैं। इस दुखद घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पूर्ण आशा है कि भारत सरकार इस घटना की पूरी तरह से जांच करेगी। ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठायेगी। हम सभी को मिलकर ऐसी त्रासदियों से सबक लेना चाहिए। भविष्य में सुरक्षा के उचित इंतजाम सुनिश्चित करने चाहिए, ताकि ऐसी घटना दुबारा ना हो।

- हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री, झारखंड

कमांडो ने मोर्चा संभाल लिया। संगम नोज इलाके में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गयी। भीड़ और न बढ़े, इसलिए प्रयागराज से सटे जिलों में श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है। वहां प्रशासन को अलर्ट किया गया।

पलामू की महिला और मुसाबनी के एक व्यक्ति की मौत

पलामू/मुसाबनी (आजाद सिपाही)। प्रयागराज महाकुंभ में मंगलवार की रात मची भगदड़ में पलामू के रहला की एक महिला की मौत हो गयी है। वहीं इस घटना में उसके कुछ परिजन भी घायल हो गये हैं। इसमें उसकी बहन की हालत गंभीर बतायी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी अमरीश पांडेय अपनी पत्नी गायत्री देवी और बड़े बेटे सहित दर्जन भर रिश्तेदारों के साथ सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ में गये थे। सभी मंगलवार को दोपहर महाकुंभ मेला में पहुंच भी गये थे। मौनी अमावस्या को प्रातः स्नान करने के लिए सभी वहीं रुक गये। रात्रि नौ बजे संगम तट किनारे सभी लोग चादर बिछा कर सो गये। इसी बीच रात में भगदड़ मच गयी। तट पर सोये लोग अनियंत्रित भीड़ की चपेट में आ गये। इसी घटना में गायत्री देवी (60) की मौत हो गयी, जबकि उनकी बड़ी बहन तेजरी देवी (62) गंभीर रूप से घायल हो गयीं। इसके अलावा मृतक के भाई राम कृपाल तिवारी और जीजा कयास दुबे भी घायल हैं। कयास दुबे गढ़वा जिला के झुरा गांव के रहने वाले हैं। मृतक का छोटा बेटा प्रयागराज के आर्मी कैंप में ही पदस्थापित है।



कुंभ मेला से लापता हुई महिला

गोला (आजाद सिपाही)। गोला के पुरना सिरका गांव निवासी भिखु करमाली की पत्नी कदमी देवी (50 वर्ष) कुंभ मेला से लापता हो गयी हैं। उनके साथ कुंभ स्नान करने गयी अन्य महिलाओं ने उनके लापता होने की जानकारी परिजनों को दी। इधर लापता की जानकारी के बाद महिला के परिजन खोजबीन के लिए प्रयागराज रवाना हो गये हैं। वहीं पोटक थाना क्षेत्र के हाता की 50 वर्षीय महिला गीता देवी का कोई पता नहीं चल पा रहा है जिससे उनके परिजन काफी परेशान हैं। इस संबंध में गीता देवी के पुत्र दीपक हेमब्रम ने बताया कि उसकी मां गीता देवी, पिता चेतन्य हेमब्रम, दादी एवं उनका भाई सोमवार 27 जनवरी को मानगो से बस में सवार होकर प्रयागराज गये थे।

इधर घटना के बाद से क्षेत्र में शोक व्याप्त है। उधर, मुसाबनी सुंदर नगर के रहने वाले शिवराज गुप्ता की भी भगदड़ में दबने से मौत होने की सूचना है। उनकी पत्नी पूनम राज ने बताया कि आखिरी बार मंगलवार 11.30 बजे उनसे बात हुई थी। शिवराज झारखंड स्टेट कोऑपरेटिव बैंक में कार्यरत थे। उनके दो बच्चे हैं। बेटी स्वर्णा दिल्ली और बेटा शिवम बंगलुरु में नौकरी करता है।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान एवं द्वितीय चरण कुष्ठ रोग खोज अभियान

30 जनवरी से 14 फरवरी 2025

“एक साथ आइए हम जागरूकता बढ़ायें, गलत धारणाओं को दूर करें और सुनिश्चित करें कि कुष्ठ रोग से प्रभावित कोई भी व्यक्ति पीछे ना छुटे”

हाथ मिलाएँ, कुष्ठ मिटाएँ

कुष्ठ रोग छुआछूत का रोग नहीं है

कुष्ठ

न अभिशाप न पुश्तैनी रोग जल्द करवायें मुफ्त जाँच और ईलाज

अधिक जानकारी हेतु अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र, अस्पताल, जिला कुष्ठ अधिकारी एवं सहिया दीदी से संपर्क करें

अथवा टोल फ्री नम्बर **104** पर पर कॉल करें।

आयुज्मान भारत मुख्यमंत्री जन-आरोग्य योजना की जानकारी हेतु नि:शुल्क डायल करें (टॉल फ्री) नम्बर- **18003456540**

स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी/शिकायत हेतु 24x7 नि:शुल्क राज्य हेल्पलाइन नंबर **104** (टॉल फ्री) पर कॉल करें

आयुज्मान भारत मुख्यमंत्री जन-आरोग्य योजना की जानकारी हेतु नि:शुल्क डायल करें (टॉल फ्री) नम्बर- **18003456540**

स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी/शिकायत हेतु 24x7 नि:शुल्क राज्य हेल्पलाइन नंबर **104** (टॉल फ्री) पर कॉल करें

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

P.R. 345412 (Urban Development) 24-25

SAAT-2025

APPROVAL & RECOGNITION

PROGRAMMES OFFERED

B.TECH PROGRAMMES Civil Engineering Electrical Engineering Mechanical Engineering Electrical and Electronics Engineering Electronics and Communication Engineering Computer Science and Engineering Computer Science and Information Technology Computer Science and Engineering (AI and ML) Computer Science and Engineering (Cyber Security) Computer Science and Engineering (Data Science) Computer Science and Engineering (Internet of Things)	MANAGEMENT PROGRAMMES BBA MBA Integrated MBA MBA (Hospital Administration) MBA (Artificial Intelligence and Data Science) M.Sc. PROGRAMMES Physics Chemistry Mathematics Biotechnology Integrated (M.Sc. Biotechnology) COMPUTER APPLICATIONS PROGRAMMES Bachelor of Computer Applications (BCA) Master of Computer Applications (MCA) PHARMACEUTICAL PROGRAMMES B.Pharm. M.Pharm.	LAW PROGRAMMES BA LLB (H) - Integrated Law BBA LLB (H) - Integrated Law LLB (H) - 3 Years Law LLM HOTEL MANAGEMENT PROGRAMMES BHMCT (Bachelor of Hotel Management & Catering Technology) MBA (Hospitality Management) NURSING PROGRAMMES B.Sc. (Nursing) (Basic) B.Sc. (Nursing) (Post Basic) M.Sc. (Nursing) AGRICULTURAL PROGRAMMES B.Sc. (H) Agriculture M.Sc. Agriculture VETERINARY SCIENCE AND ANIMAL HUSBANDRY PROGRAMME Bachelor of Veterinary Science & Animal Husbandry (B.V.Sc. & A.H.)
--	---	---

National Institutional Ranking Framework 2024

14th in University Category
26th in Engineering Category
21st in Medical Category
09th in Dental Category
09th in Law Category

2025

64 in QS Southern Asia University Ranking
278 in QS Asia University Ranking
1201- 1400 in QS World University Ranking
Institution of Happiness
Recognized by QS I-Gauge

2024

801-1000 in THE World University Ranking
401- 500 in Engineering Technology
601- 800 in Computer Science
801-1000 in Health Sciences

To apply for admission through SAAT 2025, Visit: www.soa.ac.in

प्रयागराज: भगदड़, मौत पर भारी पड़ा आस्था का महाकुंभ

- भीड़ को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी लेनी होगी प्रशासन को, कठोर कदम भी जरूरी
- धर्मगुरुओं ने दिखाया सनातन क्या है, पहले लोगों की सुरक्षा, फिर शाही स्नान
- अपने परिवार वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी, सरकार या प्रशासन के साथ-साथ खुद की
- अमृत कलश की बूंदों का अमृत पान सिर्फ संगम में नहीं, आस-पास के घाटों पर भी वही पुण्य
- प्रयागराज के महाकुंभ में जाइये, लेकिन समझदारी और संयम का परिचय भी दीजिए



रakesh सिंह

मंगलवार को अचानक मौनी अमावस्या शुरू होने से पहले, मेरे मन में एक सवाल उठा था। चूंकि प्रयागराज में लगे महाकुंभ मेला में मौनी अमावस्या के दिन माना जा रहा था कि करीब 10 करोड़ लोग अमृत स्नान करने पहुंचेंगे, मन के किसी कोने में सवाल यह उठा कि इस दिन जो भारी भीड़ प्रयागराज पहुंचेगी, उत्तरप्रदेश की सरकार और प्रशासन इसे कैसे मैनेज करेगा। पता नहीं ऐसा आभास क्यों हुआ कि इस विशेष दिन कोई अनहोनी न हो जाये, क्योंकि मौनी अमावस्या शुरू होने से पहले तक महाकुंभ मेला की योगी सरकार और उत्तरप्रदेश प्रशासन ने जिस तरह नियंत्रित किया था, वह मन को सुकून दे रहा था। लेकिन मन के किसी कोने में यह आशंका भी उठ रही थी कि कहीं योगी की इस व्यवस्था पर किसी की नजर न लग जाये। मन डरा भी हुआ हुआ था। महाकुंभ सनातन की बहुत बड़ी उपलब्धि है। करोड़ों लोगों की आस्था महाकुंभ से जुड़ी है। लेकिन बुधवार ब्रह्म मुहूर्त से पहले, रात पौने दो बजे के आसपास संगम तट पर एक स्थान विशेष पर भगदड़ मच गयी। इस भगदड़ में कई लोग मौत के मुंह में समा गये, तो कई गंभीर रूप से घायल होकर ज़िंदगी की जंग लड़ रहे हैं। मेरा मन पहले से ही विचलित हुआ पड़ा था। सिक्ख सेंस वाली कोई बात होगी। जैसे ही मैं सुबह उठा और मोबाइल फोन देखा, तो पाया कि कुंभ मेला में भगदड़ मच गयी है। मैं अचानक बेड पर उठ बैठा। उस वक़्त तक खबरों में बताया जा रहा था कि करीब 10 लोगों के मरने की आशंका है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर मंगलवार की रात मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए एक अनुमान के मुताबिक लगभग चार करोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गयी थी। रात करीब पौने दो बजे संगम तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ दी और फिर देखते ही देखते भगदड़ मच गयी। कुछ ही मिनटों में स्थिति इतनी बेकाबू हो गयी कि लोग जमीन पर इधर उधर असहाय होकर चीखने-चिल्लाने लगे। श्रद्धालुओं के सामान जिधर-तिधर बिखर गये, जिससे अव्यवस्था और फैल गयी। लोग एक दूसरे को रौंदते चले गये। मेरे कुछ रिश्तेदार भी इस दौरान प्रयागराज गये हुए थे स्नान करने। मैंने अचानक उन्हें फोन लगाया, उन्होंने फोन नहीं उठाया, लेकिन थोड़ी देर बाद पता चला कि वे सुरक्षित हैं। भारी भीड़ देख उन्होंने कोई पास के घाट पर स्नान कर लिया था। वे काफी बुजुर्ग हैं। उन्हें लगा कि भीड़ में जाने से उनके साथ कोई अनहोनी

न हो जाये। वीडियो में मैंने देखा कि लगातार एंबुलेंस घायलों को लेकर चिकित्सालय जा रही थी। इस दौरान योगी सरकार का ग्रीन कॉरिडोर काम आया। तुरंत प्रशासन भी एक्टिव हो गया। कुछ घंटों के भीतर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। इलाज करने के साथ ही राहत और बचाव कार्य तेजी से बढ़ाया गया। भोर तक सभी अधिकारी स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए प्रयासरत रहे। कुछ ही घंटों में स्थिति को काफी नियंत्रित कर लिया गया। अधिकारियों ने अपील की कि सभी श्रद्धालु शांत बनावे रखें। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की कि स्नान जल्दी करें। स्नान के बाद जल्दी घाट खाली कर दें, ताकि भीड़ इकट्ठा न होने पाये, ताकि दूसरे श्रद्धालुओं को स्नान करने का मौका मिले। वहां पहुंचे लोगों की स्थिति यह थी कि नहा कर लोग बालू पर लेट जा रहे थे। कपड़े फैला रहे थे। नहाने के तुरंत बाद वे अपने गंतव्य पर जाने के बजाय, वहीं डेरा डाल रहे थे। फिर भीड़ तो बढ़नी तय थी।

जान को जोखिम में मत डालिये, नहाने के लिए इंतजार कीजिए

लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि मेला में आयी भीड़ को संभालने की जिम्मेदारी किसकी है। सरकार की, प्रशासन की। या फिर महाकुंभ में जानेवालों की भी कोई जिम्मेदारी होनी चाहिए। अगर मेला में अनियंत्रित भीड़ है, और लगातार आये जा रही है, लोगों को पहले से पता है कि मौनी अमावस्या के दिन भारी भीड़ होगी। प्रयागराज पहुंचे लोगों को दिख भी रहा है कि सामने भारी भीड़ है, बीच-बीच में भीड़ अनियंत्रित हो रही है, तो क्या उस भीड़ का हिस्सा बनना समझदारी है। जब लगातार प्रशासन के लोग, बार-बार अनुरोध कर रहे हैं कि बैरिकेडिंग मत तोड़िये, इससे कोई फायदा नहीं होनेवाला, तो यह बात लोगों को समझ में क्यों नहीं आयी। लोगों को पता है कि मौनी अमावस्या के दिन करोड़ों लोग प्रयागराज पहुंचने वाले हैं, तो क्या लोगों की अपनी कोई जिम्मेदारी नहीं। जो लोग महाकुंभ नहाने और पुण्य का भागी बनने आ रहे हैं, क्या उनकी अपने परिवार के प्रति, बच्चे-बुजुर्गों के प्रति कोई जवाबदेही है या नहीं। उनकी सुरक्षा की पहली प्राथमिकता किसकी है। खुद परिवार के लोगों की। पुण्य का भागी बनने के लिए क्या परिवार के लोगों की बलि देना सही है। भीड़ है, रुक जाइये, मत जाइये। जान को जोखिम में मत डालिये। सबसे पहले खुद पर भरोसा करिये, फिर किसी सरकार या प्रशासन पर। मेरा भी एक दो साल का बेटा भी है। मुझे भी प्रयागराज महाकुंभ में जाना है, तो क्या मैं सिर्फ सरकार और प्रशासन के भरोसे कुंभ में चला जाऊं, जहां मुझे पता है कि करोड़ों लोगों की भीड़ आने वाली है और वहां पहले से करोड़ों उपस्थित हैं। मैं अगर खुद की सुरक्षा के प्रति जागरूक नहीं रहूंगा, तो कैसे कोई मेरी सहायता कर पायेगा। ईश्वर ने मानव जीवन क्यों दिया है। इसलिए दिया है कि वह किसी भी



प्राणी से बेहतर सोच सकता है। मनुष्य सिर्फ अपनी नहीं दूसरे प्राणियों की सुरक्षा के बारे में भी सोचने की क्षमता रखता है, अगर चाहे तो।

भीड़ अगर बैरिकेडिंग नहीं तोड़ती, तो हादसा नहीं होता

भगदड़ मचने से पहले जिस प्रकार से लोगों द्वारा बैरिकेडिंग तोड़ संगम पहुंचने की होड़ मची हुई थी, क्या उन्हें तनिक भी खयाल नहीं आया कि उनके साथ बच्चे भी हैं, बुजुर्ग भी हैं। जीवन मिला ही है पुण्य करने के लिए, क्या सिर्फ संगम में डुबकी लगा लेने से पुण्य की प्राप्ति हो जायेगी। आप पुण्य के भागी तभी बनेंगे, जब जीवित रहेंगे। जीवन रहेगा आप अपने कर्मों से पुण्य कमाते रहेंगे। ऐसे थोड़े है कि मौनी अमावस्या के दिन त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने से ही पुण्य की प्राप्ति होगी, आप महाकुंभ के आसपास के घाटों में अगर डुबकी लगा लेंगे, तब भी आपको वही लाभ हासिल होगा, जो संगम में डुबकी लगाने से होगा। क्योंकि पानी को अवरिल बह रहा है। मान्यता है कि प्रयागराज में समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश की कुछ बूंदें गिरी थीं। बूंदें हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में भी गिरी थीं। लेकिन जब हरिद्वार में कुंभ मेला का आयोजन होता है, या नासिक में होता है या उज्जैन में होता है, तो क्या वहां लोग नदियों के संगम स्थल पर जाकर स्नान करते हैं, या वहां मौजूद जो पवित्र नदी है, वहां जाकर वे स्नान करते हैं और पुण्य के भागी बनते हैं। नासिक-त्र्यंबकेश्वर में गोदावरी नदी के तट पर, हरिद्वार में गंगा के

तट पर और उज्जैन में क्षिप्र के तट पर कुंभ मेला का आयोजन होता है। लोग वहां मौजूद नदी के तट पर स्नान करते हैं। प्रयाग में गंगा-यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर महाकुंभ का आयोजन होता है। लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या कुंभ के दौरान प्रयागराज में गंगा नदी के तट पर या यमुना नदी के तट पर स्नान करने से कम पुण्य की प्राप्ति होगी। नहीं, ऐसा कतई नहीं है। कहते हैं कि मन चंगा तो कटीती में गंगा, प्रयाग में तो संपूर्ण निर्मल गंगा की धारा बहती है। कहीं भी स्नान कीजिये और महाकुंभ का लाभ लीजिये। खुद भी सुरक्षित रहिये, परिवार को भी सुरक्षित रखिये।

पीएम मोदी ने सीएम योगी से फोन पर की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ मेले की स्थिति के बारे में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात की। पूरे मामले की समीक्षा की और तत्काल सहायता उपाय करने को कहा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सीएम योगी से फोन पर बात की। उन्होंने भी घटना की जानकारी ली।

अफवाह पर ध्यान न दें : योगी

सुबह घटना की सूचना मिलने के बाद से ही सीएम योगी लगातार अधिकारियों से अपडेट लेते रहे। मुख्यमंत्री योगी ने अपील की कि श्रद्धालुगण मां गंगा के जिस भी घाट के समीप

आजाद सिपाही विशेष

हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज की ओर जाने का प्रयास न करें। स्नानार्थियों के लिए कई घाट बनाये गये हैं, जहां सुविधाजनक रूप से स्नान किया जा सकता है। उन्होंने सभी से मेला प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की। सीएम योगी ने सभी से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रशासन के निर्देश का अनुपालन करें। व्यवस्था बनाने में सहयोग करें। सीएम योगी ने तत्काल सभी अखाड़ों से बात कर तुरंत स्नान नहीं करने के लिए मनाया। इसके बाद एनएसजी कमांडो और ट्रेनी आइपीएस ने मोर्चा संभाला। चेन बना कर भीड़ को बाहर निकाला। बैरिकेडिंग के जरिये भीड़ को नियंत्रित किया। तीन घंटे के भीतर सभी के सहयोग से स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पाया गया। भय और असमंजस के इस माहौल में साधु, संन्यासी, भक्त, पुलिस, प्रशासन ने मिल कर सामना किया और एक-दूसरे का सहारा बने।

भगदड़ के बाद एनएसजी कमांडो ने मोर्चा संभाला

रात के करीब दो बजे भगदड़ मची। इसके तुरंत बाद संगम तट पर एनएसजी कमांडो ने मोर्चा संभाल लिया। संगम नोज इलाके में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गयी। भीड़ और न बढे, इसलिए प्रयागराज शहर में भी श्रद्धालुओं

के आने पर रोक लगा दी गयी। इसी के लिए शहर की सीमा से सटे जिलों में प्रशासन को मुस्तैद कर दिया गया। भीड़ को नियंत्रित करने और कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया।

पुलिस ने बैरिकेडिंग शुरू कर दी

भीड़ को नियंत्रित करने और एक जगह जमा होने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गयी। सभी घाटों तक पहुंचने वालों लोगों की आवाजाही को सीमित कर दिया गया। केवल आवश्यक सेवाओं वालों को ही अनुमति दी गयी। इससे भीड़ ठहर सी गयी। हालात सामान्य होने पर बैरिकेडिंग को हटाया गया, इसके बाद आवाजाही शुरू हो सकी।

हेलिकॉप्टर से अधिकारी निरीक्षण करने लगे

लोगों को शांत रहने, भगदड़ न मचाने और प्रशासन का सहयोग करने के लिए लाउडस्पीकर के जरिये अनाउंस किया गया। आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अतिरिक्त निकास मार्ग खोले गये। इनमें कई पाँटून ब्रिज का इस्तेमाल किया गया। 16 नंबर पीपापुल को बंद कर दिया गया। हेलिकॉप्टर से अधिकारी निरीक्षण करने लगे। भगदड़ के बाद महाकुंभ की सुरक्षा और बढ़ा दी गयी।

पुलिस ने हाथ पकड़ कर चेन बनायी

क्राउड को नियंत्रित करने के लिए ह्यूमन चेन टेक्नीक का प्रयोग कर भीड़ की दिशा बदली गयी। ग्राउंड पर भीड़ नियंत्रित करने के लिए ट्रेनी आइपीएस की टीम उतारी गयी। इससे स्नान व्यवस्था सुचारू हो गयी है। महाकुंभ में भगदड़ मचने के बाद पुलिसकर्मियों द्वारा अनाउंस करके भीड़ को रास्ता बताया गया। इससे श्रद्धालुओं को स्नान में आसानी हुई।

हॉस्पिटल में डॉक्टर्स और नर्सों की संख्या बढ़ायी गयी

घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए अतिरिक्त चिकित्सा शिपिर स्थापित किये गये। एंबुलेंस सेवाओं को बढ़ा दिया गया। मौके पर 50 एंबुलेंस लगायी गयी। हॉस्पिटल में अतिरिक्त डॉक्टर्स और नर्सों को लगाया गया। इससे हॉस्पिटल में स्थिति नियंत्रित रही। संगम नोज पर जहां भगदड़ मची, उसके सबसे नजदीक सेक्टर-4 का संगम चिकित्सालय है। डॉक्टरों की टीम अलर्ट थी।

प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं को रोका गया

सरकार की ओर से सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया गया कि श्रद्धालुओं को प्रयागराज जाने से अभी रोकें। इससे भगदड़ के हालात को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी। इसके बाद स्पेशल ट्रेनों जहां थीं, वहीं रोक दी गयीं। बसों की आवाजाही भी बंद कर दी गयी। प्रयागराज जाने से जहां-

जहां श्रद्धालुओं को रोका गया। वहां पर श्रद्धालुओं को खाने-पीने की समुचित व्यवस्था करायी गयी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को सज्जियां, राशन का सामान, बर्तन और चूल्हा तक उपलब्ध कराया।

संतों के लिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि

भगदड़ में हुए हादसे को लेकर सभी 13 अखाड़ों के संतों, जगद्गुरु, महामंडलेश्वरों और आचार्यों ने निर्णय लिया कि वे गाजे-बाजे के साथ अमृत स्नान नहीं करेंगे। अमृत स्नान को स्थगित किया जाये। स्नान बसंत पंचमी को होगा। यह लोगों को सुरक्षा और उनके प्रति संवेदना को ध्यान में रख कर संतों ने निर्णय लिया। यही सनातन है। संतों को लगा कि यही करना श्रेयष्कर होगा। लेकिन जैसे सूर्य प्रकट हुए, स्थितियां सामान्य हुईं, लाखों लोगों ने आस्था की डुबकी लगानी शुरू की, तब संतों ने निर्णय लिया कि ठीक वैसा ही स्नान होगा, जैसे होते आया है। उसके बाद अमृत स्नान की शुरुआत करीब 10 घंटे के बाद हुई। सभी 13 अखाड़ों के साधु-संत, संन्यासी और महामंडलेश्वर स्नान करने संगम नोज पर पहुंचे। मौनी अमावस्या स्नान पर्व के मौके पर तीनों शंकराचार्यों ने पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा की डुबकी लगायी। अमृत स्नान के दौरान साधु, संतों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी।

सनातन की आस्था अपराजेय

महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन पर शाम तक स्नान का कुल आंकड़ा नौ करोड़ तक पहुंच गया। इसमें पिछले 16 दिनों की 20 करोड़ की संख्या को जोड़ा जाये तो यह डाटा 29 करोड़ तक पहुंच गया है। कुंभ मेला में भगदड़ के बावजूद मौनी अमावस्या पर नौ करोड़ लोगों के स्नान ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। यह कुंभ मेले के इतिहास में किसी भी एक दिन श्रद्धालुओं के स्नान की सबसे बड़ी संख्या है। इससे पहले मकर संक्रांति को 3.5 करोड़ और मौनी अमावस्या के एक दिन पहले 28 जनवरी को 5 करोड़ लोगों ने संगम स्नान किया था।

1954 के कुंभ में मारे गये थे पांच सौ लोग

अगर कुंभ की बात की जाये, तो साल 1954 में प्रयागराज (उस समय के इलाहाबाद) में सबसे बड़ा हादसा हुआ था। 14 फरवरी 1954 को कुंभ के दौरान भगदड़ मचने से पांच सौ लोगों की मौत हो गयी थी। दूसरी बड़ी घटना भी इलाहाबाद कुंभ की है। साल 2013 में ट्रेन का इंतजार करते हुए श्रद्धालुओं की इलाहाबाद रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 35 लोगों की मौत हो गयी थी। इस भगदड़ की वजह यह थी कि एक ट्रेन का प्लेटफॉर्म ऐन समय पर बदल दिया गया था, जिसकी वजह से यात्रियों में पैनिक हो गया और वे किसी भी हालत में ट्रेन पकड़ने के लिए भागमभाग करने लगे, जिसकी वजह से भगदड़ मच गयी।

पूर्व मध्य रेल

ई ऑक्शन सूचना सं. : Catering-16-25

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (वॉकिंग) पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा पाँच वर्षों की अवधि के लिए धनबाद मंडल के अंतर्गत GMU और SMU के लिए A1 और D श्रेणी स्टेशन पर खान-पान सेवा के लिए ई ऑक्शन आमंत्रित किया जाना है। विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	ठेके का प्रकार	तॉल सेंटा	स्टेशन	बी.एल.नंबर	स्टा
1	खान-पान सेवा	DHN-BRWUD-GMU-53	बरवाडीह	सामान्य	01 03
2	खान-पान सेवा	DHN-DHN-SMU-123	धनबाद	एस.सी.(महिला)	01 02

सभी तॉल के लिए ई-नीलामी की तारीखें और समय : 13.02.2025, 15.00 बजे से

Catalogue No:- Catering-16-25, Website: www.irops.gov.in

Note- (4) The e-Auction will be online on the IREPS (e-Auction leasing portal) on the prescriber date and time. (5) Desirous of participating in the e-Auction shall pay Rs. 10000/- + GST (non refundable) Online submission of one time registration is required and also having current account linked to IREPS, Payment/Deduction of Security Deposit (EMD) online from the same account. (6) Complete information about the terms and conditions related to e-Auction is available in the e-Auction leasing selection of the IREPS portal (www.irops.gov.in)

बीआर / 02015 / दीएसएल / 41 / 24-25 / 40
स.वा.प्र., पू.म.रेल, धनबाद

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नितेश रंजन भास्कर
निदेशक
भास्कर एजुकेशन एकेडमी
देवी मंडप रोड घाघरा

A portrait photograph of Nitish Ranjan Bhaskar, a man with dark hair and a mustache, wearing a dark suit, white shirt, and a red tie. He is looking directly at the camera against a blue background.

पारदर्शी तरीके से समय पर पूरी करें योजनाएं : उपायुक्त



डीसी ने सभी प्रज्ञा केंद्रों पर आयुज्ान कार्ड बनाने को लेकर बीडीओ को निर्देश दिते

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर ने बुधवार को सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ समाहरणालय स्थित सभागार में जिले में चलाये जा रहे विभिन्न प्रकार के विकास योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में सभी बीडीओ ने एक-एक कर उनके द्वारा प्रखंडों में किये जा रहे, योजनाओं की प्रगति पर अपनी रिपोर्ट उपायुक्त के समक्ष रखी। इस अवसर पर उपायुक्त श्री जमुआर ने योजनाओं को पारदर्शी तरीके से समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि

सरकार द्वारा चलाये जा रही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित करने में कोताही न करे। उपायुक्त श्री जमुआर ने अबुआ आवास योजना के तहत समय पर लाभुकों को किस्त देने और समय पर निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी बीडीओ को सही तरीके से जांच कर किसी भी लाभुक को भुगतान करने को लेकर निर्देशित किया। डीसी ने सभी प्रज्ञा केंद्रों पर आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर बीडीओ को निर्देश दिये, साथ ही उन्होंने झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना में सही योग्य लाभुकों की जांच करते हुए भुगतान करने की

बात कही। प्रखंड स्तर से भी इस योजना से लाभान्वित योग्य लाभुकों का सत्यापन करते हुए जांच रिपोर्ट जिला मुख्यालय में भेजने की बात कही। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने सिधो-कानो, तालाबों का जीर्णोद्धार, पोटा-हो खेल योजना, जिले में संचालित सभी प्रज्ञा केंद्रों की स्थिति, पेंशन आदि की समीक्षा की तथा सभी बीडीओ को आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा, पंचायती राज पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, सभी बीडीओ, सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी नीरज कुमार, खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

निकाय चुनाव के लिए विभिन्न बिंदुओं पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में पिछड़े वर्गों के आरक्षण दिये जाने की पात्रता निर्धारण हेतु डोर-टू-डोर सर्वे कार्यक्रम और मतदान केंद्र का स्थापना (नगरपालिका) हेतु समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। उक्त बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद गढ़वा सुशील कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत मंडिआंव शैलेश कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत श्री बंशीधर नगर राज कमल समेत नगर मिशन प्रबंधक एवं नगर प्रबंधक गढ़वा तथा मास्टर ट्रेनर और अन्य संबंधित उपस्थित थे।

राज्य के नगर निकायों में पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिये जाने



की पात्रता निर्धारण हेतु सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा के लिए बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से विभिन्न महत्वपूर्ण एजेंडों यथा- प्रकाशित वार्डवार सर्वेक्षण सूची/विखंडित मतदाता सूची (प्रपत्र-01) से संबंधित प्रतिवेदन, वार्डवार मतदाताओं का प्रतिवेदन (प्रपत्र-02), मृत, पलायन और दुबारा प्रविष्टी वाले मतदाता से संबंधित प्रतिवेदन, छुटे हुए मतदाता से संबंधित प्रतिवेदन, दावा-आपत्ति से संबंधित प्रतिवेदन, दावा-आपत्ति निस्तारण

से सम्बन्धित प्रतिवेदन, प्रगणकों, पर्यवेक्षकों तथा शिकायत निवारण पदाधिकारी का आधार, बैंक खाता और आईएफएससी कोड की विवरणी से संबंधित प्रतिवेदन, पूर्व से निर्धारित मतदान केंद्रों का सत्यापन से संबंधित प्रतिवेदन, नये मतदान केंद्रों का प्रस्ताव से सम्बन्धित प्रतिवेदन और मतदान केंद्रों पर बुनियादि सुविधा से संबंधित प्रतिवेदन की मांग उपायुक्त द्वारा की गयी। साथ ही नगर निकाय चुनाव से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये गये।

तैबा हॉस्पिटल में निःशुल्क निःसंतान दंपति परामर्श शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर के मदरसा रोड स्थित तैबा हॉस्पिटल में निःशुल्क निःसंतान दंपति परामर्श शिविर (आईवीएफ कैप) का आयोजन किया गया। डॉ यासीन फाउंडेशन तथा इंदिरा आईवीएफ फर्टिलिटी और आईवीएफ सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित उक्त शिविर में 65 निःसंतान दम्पतियों को निःशुल्क आईवीएफ की जानकारी दी गयी। वैसे दंपति जो विवाह के साल भर बाद भी माता-पिता बनने में असफल रहे हों, पुरुष में शुक्राणु की कमी, महिलाओं में अंडाणु की कमी, नसबंदी के बाद भी मां बनने की इच्छा, अनियमित माहवारी, ल्यूकोरिया, पीसीओडी जैसी समस्या वाले ज्यादातर दम्पति शामिल थे। तैबा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर अरशद अंसारी ने कहा कि समाज में बांझपन को



दूसरे नजरिये से देखा जाता है। खासकर महिलाओं को ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और यही कारण है कि उनका मनोबल कम होते चला जाता है। एक तरफ परिवार से तो दूसरी तरफ समाज से कोई तरह की अपशब्दों से अपमानित किया जाता है। यहां तक कि रिश्ते टूटने तक भी बात आ जाती है। ऐसे स्थिति में लोगों को जागरूक कर काफी हद तक महिलाओं के उत्पीड़न से रोका जा सकता है और समाज में इन्हें भी उचित सम्मान मिल सकता है। अब

राष्ट्रीय जनता दल, गढ़वा जिला कमेटी की ओर से सदस्यता अभियान शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। राष्ट्रीय जनता दल गढ़वा जिला कमेटी की ओर से सदस्यता अभियान 2025-28 का शुभारंभ बुधवार को सदस्यता प्रभारी मदन पासवान और सह प्रभारी कलाम खान की उपस्थिति में राजद जिला अध्यक्ष सूरज सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय अशोक विहार गढ़वा से शुरूआत किया गया। जिसमें आजसू और अन्य दल छोड़कर विनय गुप्ता राजू प्रसाद अमानत अली लक्ष्मण यादव, विनय यादव प्रेम सिंह खरवार चिनोद यादव संतोष राम, विनोद चंद्रवंशी प्रखंड अध्यक्ष नौशाद अली पारसनाथ, रामनिवास, जगन्नाथ पाल, सुभाष, जगदीश यादव सहित जिला के पदाधिकारी गण प्रखंड के पदाधिकारी गण पंचायत के पदाधिकारी गण और राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ता साथी उपस्थित थे। सदस्यता प्रभारी



अध्यक्ष जमीरुद्दीन अंसारी प्रदेश महासचिव प्रवेज शाहिद करीम खान, प्रधान महासचिव धर्मराज राम, उपाध्यक्ष कामाख्या नाराण सिंह, राजेश्वर गुप्ता, महासचिव सुरेश विश्वकर्मा, अशोक सिंह महेंद्र पाल त्रिपुरारी सिंह सचिव विनोद यादव संतोष राम, विनोद चंद्रवंशी प्रखंड अध्यक्ष नौशाद अली पारसनाथ, रामनिवास, जगन्नाथ पाल, सुभाष, जगदीश यादव सहित जिला के पदाधिकारी गण प्रखंड के पदाधिकारी गण पंचायत के पदाधिकारी गण और राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ता साथी उपस्थित थे। सदस्यता प्रभारी

और सह प्रभारी कलाम खान ने पेलान किया सूरज सिंह की अध्यक्षता में जिला में एक लाख नये राष्ट्रीय जनता दल के सदस्य बनाये जायेंगे। सदस्यता अभियान गढ़वा जिले के हर एक बूथ पंचायत प्रखंड और जिला स्तर पर कैप लगाकर लोगों को राष्ट्रीय जनता दल के विचारधारा को बढ़ाकर पूर्व मुख्यमंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के कार्यकलापों को लोगों तक पहुंचाने का काम करेंगे और राष्ट्रीय जनता दल के संगठन से जोड़ने का काम करेंगे।

डेंटल चेकअप कैप का आयोजन



आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। वनांचल डेंटल कॉलेज और अस्पताल फरटिया गढ़वा द्वारा डॉक्टर एके सिन्हा के नेतृत्व में डेंटल चेकअप कैप का आयोजन आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा में किया गया। जिसमें विद्यालय के बच्चों और कर्मचारियों को दांत का इलाज के साथ ही साथ दांत से संबंधित होने वाले बीमारियों के बारे में

जानकारी दी गयी। इस कैप में मुख्य रूप से डॉक्टर प्रीति, डॉक्टर सत्या, डॉक्टर शिखा रवि आदि ने अपनी भूमिका निभायी। इसके लिए आरके पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर और भाजपा के वरिष्ठ नेता अलखनाथ पांडे ने वनांचल डेंटल कॉलेज से आये हुए सभी डॉक्टर और टेक्नीशियन को आभार व्यक्त किया।

दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण आयोजित

मेरा विद्यालय मेरा अभिमान और शिक्षा अधिकार से हुए छबूठ

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। राजकीय कन्या मध्य विद्यालय रंका में विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों का दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ संकुल साधन सेवी सह मास्टर प्रशिक्षक देवेंद्र नाथ उपाध्याय ने दो मिनट का मौन और अभियान गीत गायन के साथ प्रशिक्षण की शुरूआत की। इस प्रशिक्षण में सबसे पहले विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन प्रपत्र भरवाया गया, उसके बाद विषय प्रवेश कराया गया। इस



प्रशिक्षण में मास्टर प्रशिक्षक देवेंद्र नाथ उपाध्याय के द्वारा सभी सदस्यों को विद्यालय प्रबंधन समिति की पृष्ठभूमि 'पलाश', प्रशिक्षण का उद्देश्य, प्रशिक्षण की रणनीति, विद्यालय प्रबंधन समिति के लिए ध्यान देने योग्य बातों पर विस्तृत रूप से सरल और सहज तरीकों से बताया गया।

इस दौरान विभिन्न सत्र में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई, जैसे- मेरा विद्यालय मेरा अभिमान, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और नयी शिक्षा नीति, विद्यालय प्रबंधन समिति की संरचना, विद्यालय प्रबंधन समिति की मासिक बैठक की कार्यवाही का प्रारूप, विद्यालय प्रबंधन

समिति के कार्य और दायित्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया, साथ ही एफएलएन, रेल प्रोजेक्ट, प्रोजेक्ट इंपैक्ट, बाल अधिकार अधिनियम और लैंगिक समानता, विद्यालय विकास योजना का संधारण, हर्ष जोहर, चेतना सत्र और अन्य गतिविधियों पर भी चर्चा की गयी।

इस प्रशिक्षण का संचालन बहुत ही रुचि पूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और विद्यालय के सभी सदस्य ससमय उपस्थित हुए और प्रशिक्षण पाकर हर्षित हुए। इस मौके पर विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका साधना सिन्हा, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय सहित सभी सदस्यगण उपस्थित थे।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए हेमंत सरकार प्रतिबद्ध: चमरा लिंडा

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के गौरव को चित्रों में उकेरने की अनूठी पहल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने बुधवार को डॉ राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान परिसर, मोराबादी में राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का उद्घाटन किया। चमरा लिंडा ने कहा कि सरकार झारखंड की जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। झारखंड की जनजातीय कला और संस्कृति को संजोने और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के गौरवशाली इतिहास को चित्रों के



माध्यम से प्रदर्शित करने के उद्देश्य से राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि शिविर में झारखंड के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रांकन किया जायेगा। शिविर के अंत में चित्रों की प्रदर्शनी लगायी जायेगी।

सरकार जनजातीय कलाकारों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। **जनजातीय चित्रकारों की भागीदारी :** इस शिविर में झारखंड के कोने-कोने से आये वरिष्ठ एवं युवा जनजातीय चित्रकार हिरसा ले रहे हैं। प्रतिभागी कलाकार अपने चित्रों के माध्यम से स्वतंत्रता

संग्राम के महानायकों की गाथाओं को जीवंत रूप देंगे। चित्रकला की विभिन्न शैलियों, जैसे सोहराई, कोहबर, पिठौरा, गोंड, वारली और अन्य जनजातीय कला रूपों का प्रयोग किया जायेगा, जिससे झारखंड की समृद्ध कला परंपरा को भी बल मिलेगा। **संस्थानों में लगेगी विशेष प्रदर्शनी :** शिविर के अंत में सभी चित्रों को एक विशेष प्रदर्शनी के रूप में प्रस्तुत किया जायेगा, जिसमें झारखंड के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े चित्रों को प्रदर्शित किया जायेगा। मौके पर मुख्य रूप से टीसीडीसी प्रबंध निदेशक नियोलसन बागे, कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा और अन्य मौजूद थे।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, हजारीबाग

सर्वसाधारण के लिये सूचना



बरही थाना दैनिकी प्रविष्टी सं०-27/२025, दि०-26.01.2025 के आलोक में गुमशुदा महिला- रिंतु कुमारी, पिता-प्रभाकर पाठक, सा०-बरसोत, थाना-बरही, जिला-हजारीबाग दिनांक-25.01.2025 को संध्या 05:00 बजे से लापता हो गयी है काफी खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका है। हुलिया-उम्र-करीब 26 वर्ष, लम्बाई-05'06", रंग-गोरा, पहनावा-सफेद रंग का कुर्ती, लाल रंग का पजामा, काला रंग का ब्लेजर, बैगनी रंग का जुता पहनी हुई है। इस संबंध में यदि किसी प्रकार की सूचना हो तो थाना प्रमारी बरही/अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बरही, हजारीबाग के कार्यालय के निम्नांकित फोन नम्बर पर सम्यक कर इसकी सूचना दें। सम्यक सूत्र:-

अनु०090पदा० बरही, हजारीबाग :- 9430165633
थाना प्रमारी बरही, हजारीबाग :- 9006975496

PR 345406 Police (24-25)_D

पुलिस अधीक्षक,
हजारीबाग

अबुधाबी में भवनाथपुर के प्रतिष्ठित रेडीमेड गारमेंट्स व्यवसायी को सम्मानित किया गया

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। डॉलर रेडीमेड गारमेंट के तत्वाधान में दुबई के अबुधाबी में आयोजित वार्षिक मिलन समारोह कार्यक्रम में भवनाथपुर के प्रतिष्ठित रेडीमेड गारमेंट्स व्यवसायी कुमार रामचंद्रम उर्फ मूनू जायसवाल को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान कम समय में कंपनी के उपलब्धि प्राप्त करने पर डॉलर कंपनी के मालिक विनोद गुप्ता के द्वारा उन्हें मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। अबुधाबी में सम्मानित होकर लौटे व्यवसायी कुमार रामचंद्रम जायसवाल ने बताया कि मेरे द्वारा भवनाथपुर, विशुनपुरा, रमुना, कांडी, केतार, कोण, रामगढ़, विद्वमगंज, नगर उंटारी, कचनरवा में डॉलर कंपनी का रेडीमेड गारमेंट्स का थोक सप्लाई किया जाता है, परिणाम यह रहा कि बहुत ही कम समय में डॉलर कंपनी से जुड़ी रेडीमेड गारमेंट्स का व्यवसाय को कंपनी में एक सप्लायर के तौर पर क्षेत्रों में एक अलग पहचान स्थापित किया साथ ही उक्त कंपनी के गारमेंट्स व्यवसाय में भी लगातार वृद्धि हुई, जिसे लेकर डॉलर कंपनी के ऑनर द्वारा दुबई के अबुधाबी में डॉलर का मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अमन जायसवाल, तन्नु जायसवाल, प्रदीप कुमार, संजय कुमार आदि उपस्थित थे।



सरस्वती विद्या मंदिर में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन



श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर ने अग्रगति इंडिया रामगढ़ के स्वजन्य से संचालित वित्तीय साक्षरता केंद्र सगमा द्वारा चयनित 60 बच्चों के बीच निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध का विषय 'वित्तीय जागरूकता और आवश्यकता' अधिकतम 900 शब्दों में निर्धारित था। प्रधानाचार्य रविकान्त पाठक व जनार्दन प्रसाद यादव ने इसकी महता के विभिन्न पहलुओं पर वर्णन करते हुए कहा कि इस निबंध प्रतियोगिता से बच्चों में लेखन कौशल में वृद्धि होती है। निबंध प्रतियोगिता को संपन्न कराने में वित्तीय साक्षरता केंद्र के प्रखंड समन्वयक जनार्दन प्रसाद यादव और प्रशिक्षिका ऐसून खातुन मुख्य भूमिका में रहे।

इन्तू अध्ययन केंद्र के समन्वयक बने प्रोफेसर अर्जुन



प्रभार ग्रहण करते प्राध्यापक प्रो. अर्जुन प्रसाद।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। स्थानीय सूत्र पांडेय डिग्री कॉलेज इन्तू अध्ययन केंद्र के समन्वयक के रूप में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. अर्जुन प्रसाद ने बुधवार को प्रभार ग्रहण किया। उन्होंने यह प्रभार महाविद्यालय के इन्तू अध्ययन केंद्र के निवर्तमान समन्वयक डॉ अरुण कुमार तिवारी से ग्रहण किया। वहीं सहायक समन्वयक के रूप में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो परवेज आलम ने भी प्रभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो निकिलेश चौबे, प्रो कमलेश कुमार सिन्हा, डॉ उमेश सहाय, डॉ सत्यदेव पांडेय आदि उपस्थित थे।03

विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से महिला घायल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। खरौंथी थाना क्षेत्र के मेलवान निवासी राजमूनी विश्वकर्मा की पत्नी पानपती देवी बुधवार के सुबह खेत में आलू कोढ़ने के दौरान जमीन पर गिरे विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गयी। उसे ईलाज के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

आइएस पूजा सिंघल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

रांची (आजाद सिपाही)। आइएस अधिकारी पूजा सिंघल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पूजा सिंघल पर केस चलाने के लिए इंडी ने राज्य सरकार से अनुमति मांगी है। बता दें कि इससे पूजा सिंघल की निर्लेखन वापसी और पोस्टिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसी महीने 7 जनवरी को झारखंड की निर्लेखित आइएस अधिकारी पूजा सिंघल को 28 महीनों बाद जेल से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए उनकी जमानत मंजूर कर ली थी। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद निर्लेखित आइएस पूजा सिंघल ने नये कानून के तहत कस्टडी के आधार पर रिहाई की मांग की थी। उनकी याचिका पर रांची में पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष अदालत में सुनवाई चल रही थी। इससे पहले अदालत ने बिरसा मुंडा केन्द्रीय कारागार के अधीक्षक को निर्देश दिया था कि वे पूजा सिंघल की न्यायिक हिरासत की पूरी अवधि के बारे में जानकारी दें। जेल प्रशासन ने अदालत में जवाब दाखिल किया, जिसके आधार पर यह फैसला लिया गया।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 2479 date 15.01.2025, I, JHALO DEVI, W/O ANANDLAL MAHTO, aged about 75, by faith- Hindu, by Nationality- Indian, R/o Vill- Chetar, P.O- Gosa, P.S.- Ramgarh, Dist- Ramgarh (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows: 1. That my actual and correct name is JHALO DEVI which has been mentioned in my Aadhar Card bearing A/c No.- 481910510001069. 2. That my name has been mentioned as JHALO DEVI in my passbook of Bank of India, Ramgarh Cantt Branch bearing A/c No.- 481910510001069. 3. That JHALO DEVI and JHALO DEVI N both names is the same and single lady i.e. myself. 4. That I want to rectify my correct name as JHALO DEVI in place of JHALO DEVI in my aforesaid bank passbook. 5. That this affidavit is required for knowledge of related Bank authority concern for doing needful purpose. 6. That the above statements made by me are true and correct to the best of my knowledge and belief.

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 4570 date 21.01.2025, I, TANNVI SHAH, aged about 23 years, D/o Sri Manoj Kumar Sahu, R/o village Burmo Burn Road Vishnu Chowk Ginja Thakur Gaon, P.S.-Thakurgaon, Dist- Ranchi, do hereby by solemnly affirm and state as follows:- 1. That I am an Indian Citizen by birth and residing above mentioned address. 2. That I am the daughter of MRS. REKHA SHAH and Mr. Manoj Kumar Sahu. 3. That my mother's name appears differently in various documents as follows: (i) That in all my official documents her name is recorded as REKHA SHAH. (ii) That in her all official documents her name is recorded as REKHA DEVI. 4. That both names "REKHA DEVI" and "REKHA SHAH" refer to the same person, who is my mother. 5. That the difference in the spelling name variation is unintentional and due to clerical or administrative errors. 6. That this affidavit is made of clarity and confirm that MRS. REKHA DEVI and the names mentioned as "REKHA SHAH" an "REKHA DEVI" in various documents are of one and the same person. 7. That I undertake to use this affidavit as proof of the clarification of the name discrepancy in official and legal matters, wherever required. 8. That the statements made above are true and correct to the best of my knowledge and belief.



पोक्सो एक्ट के दोषी युवक को 20 साल सश्रम कारावास की सजा

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। नाबालिक आदिवासी युवती का कई वर्षों तक शारीरिक शोषण करने के आरोपी सदर थाना क्षेत्र के इरगांव निवासी बिहारी उरांव का पुत्र महावीर उरांव को दोषी ठहराते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकमल मिश्रा की अदालत ने बुधवार को 20 साल सश्रम कारावास और 25 हजार अर्थ दंड लगाने का फैसला सुनाया है। फोर पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी महावीर उरांव को सजा मिली है। इस संदर्भ में लोक अभियोजक मिनी लकड़ा ने बताया कि नाबालिक पीड़िता ने किस्को थाना कांड संख्या 26/2019 महावीर उरांव को नामजद आरोपी बनाकर न्याय की गुहार लगायी थी। न्यायालय में सनी और दलीलों के पश्चात आरोपी महावीर उरांव को दोषी ठहराते हुए सश्रम कारावास और अर्थ दंड की सजा मिली है।

क्या है मामला : लोक

अभियोजक मिनी लकड़ा ने बताया कि किस्को थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिक युवती की मां के फोन पर एक दिन रांन्ग नंबर से फोन आया था। दूसरे दिन दूसरे नंबर से इरगांव निवासी महावीर उरांव नाबालिक युवती को फोन कर अपने लुभावनी बातों पर उलझा लिया। इसके बाद आरोपी महावीर उरांव किस्को पहुंचकर युवती को शादी का प्रस्ताव देकर जनवल स्थित नदी किनारे ले गया। निकट के अर्धनिर्मित मकान पर दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़िता के घर से मां और भाई के जाने के बाद अक्सर आरोपी घर पहुंचता और पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाता। इस दौरान पीड़िता चार माह की गर्भवती हो गयी। इसके बाद आरोपी महावीर पीड़िता से भागने लगा। शादी से इनकार कर अपना फोन बंद कर दिया। ठगा महसूस कर पीड़िता ने किस्को थाना में शिकायत दर्ज करायी।

सड़क सुरक्षा पर सभी विभागों का सहयोग महत्वपूर्ण: एसडीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सड़क सुरक्षा माह 2025 के अंतर्गत अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गयी। बैठक का उद्देश्य जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना और यातायात सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करना था। इस बैठक में डीएसपी समीर कुमार तिकी, एमवीआई गौतम गौरव, डीआरएसएम अमृतेश्वर गिरी, बीडीओ, टाउन थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर, ट्रैफिक पुलिस और सड़क सुरक्षा टीम के सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं का विश्लेषण, दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की पहचान कर उचित समाधान के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर, सड़क नियमों का



सख्ती से पालन: हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान, ब्लैक स्पॉट की पहचान: दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार स्थानों का अध्ययन कर वहां सुरक्षा उपाय लागू करना, यातायात पुलिस की तैनाती, व्यस्त चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में यातायात पुलिस की उपस्थिति बढ़ाना, जागरूकता अभियान स्कूलों, कॉलेजों और पंचायतों में सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन पर परिचर्चा हुई।

जिला प्रशासन ने वाहन चलाते समय मोबाइल नहीं चलाने की अपील की

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के निर्देशानुसार मंगलवार की देर शाम और बुधवार को परिवहन विभाग के द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस क्रम में शराब पीकर वाहन चलानेवालों के विरुद्ध कचहरी मोड़, लोहरदगा समाहरणालय समेत अन्य जगहों में जांच अभियान चलाया गया। इसमें आने-जानेवाले वाहन



वाहन जांच अभियान चलाते डीएसपी समीर कुमार तिकी।

चालकों की जांच की गयी और दंडस्वरूप दर्जनों वाहनों का चालान किया गया जिससे 50 हजार रुपये से अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई। अभियान में एसडीओ अमित कुमार,

एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, डीएसपी समीर कुमार तिकी, अंचल अधिकारी आशुतोष कुमार, मोटरवाहन निरीक्षक गौतम गौरव, डीआरएसएम अमृतेश्वर गिरी, रोड सेफ्टी इंजीनियर कृष्ण कुमार समेत अन्य शामिल हुए। मौके पर अधिकारियों ने लोगों को बताया कि जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। वाहन चलाते समय अपने जान के प्रति जिम्मेदार रहें। उन्होंने सभी लोगों से अपील की है कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें।

गणतंत्र दिवस कि हार्दिक शुभकामनाएं



भूषण पाल
मुखिया
रतनाग पंचायत
पांडू पलामू



गणतंत्र दिवस कि हार्दिक शुभकामनाएं



नीतू सिंह
प्रमुख
पांडू पलामू



गणतंत्र दिवस कि हार्दिक शुभकामनाएं



सुमेश कुमार पंडित
इंटरप्राइजेज
तिलजोरी एम्स रोड देवघर



गणतंत्र दिवस कि हार्दिक शुभकामनाएं



ऐश्वर्य उरांव
जेएमएम प्रवर्ग अध्यक्ष
बालूमाथ



गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई



महेश साहु
अध्यक्ष
कटकाही लैप्स



गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई



नवीण प्रकाश आईन्ड
सचिव
बाम्दा लैप्स



कोयलांचल वासियों को गणतंत्र दिवस कि हार्दिक शुभकामनाएं



अंबर कुमार
महामंत्री,
भारतीय जनता युवा मोर्चा पतरातु
सह विस्थापित नेता बरकासयाल क्षेत्र



गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई



अनुप संजय टोप्पो
पुर्व उप- प्रमुख सह
समाजसेवी
प्रखण्ड चैनपुर, गुमला



गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई



उज्जवल मिंज
कनीय अभियंता
चैनपुर



सेन्हा में इंक एंड ड्राइव चेकिंग अभियान



सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटना के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक एवं परिवहन विभाग के संयुक्त निर्देश पर इंक एंड ड्राइव और बिना हेलमेट का वाहन चलाने पर यातायात पदाधिकारी एवं पुलिस जवानों के सहयोग से वाहन जांच अभियान चलाया गया। गौरतलब हो कि सेन्हा थाना क्षेत्र के विभिन्न पथ पर आये दिन सड़क दुर्घटना आम हो गया है। जिसपर नियंत्रण करने की दिशा में कदम उठाते हुए पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग द्वारा वाहन जांच सख्त निर्देश जारी किया गया है। जिसके आलोक में यातायात प्रभारी शिवशंकर माडी, शुशील कुमार सिंह एवं सेन्हा थाना पुलिस बल के सहयोग से दो फोया चार पहिया वाहन तथा भारी वाहनों को सेन्हा थाना के समीप रोक कर सभी वाहनों के चालकों को मशीन के माध्यम से इंक का जांच किया गया। साथ ही सभी चालक को शराब सेवन कर गाड़ी नहीं चलाने का सख्त निर्देश दिया गया। विदित हो कि लोहरदगा शहर में अलग अलग स्थान पर हुई सड़क दुर्घटना को लेकर पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग के निर्देश पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। जबकि सड़क दुर्घटना नियंत्रण को लेकर पूर्व से ही सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। वही दो पहिया वाहनों के चालकों को हेलमेट पहन कर वाहन नहीं चलाने पर कार्रवाई भी किया जा रहा है। उसी दौरान मंगलवार को थाना प्रभारी के निर्देश पर गस्ती दल के द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें बिना हेलमेट के बाइक चलाने के जुर्म में 8 बाइक को जब्त कर परिवहन विभाग को अग्रतर कार्रवाई हेतु सूचनार्थ कर दिया गया है।

जेएमएम ने चलाया सदस्यता अभियान



कैरो (आजाद सिपाही)। जेएमएम केन्द्रीय कमिटी के निर्देशानुसार जिले में चलाये जा रहे सदस्यता अभियान के तहत बुधवार को कैरो प्रखंड के उत्तका गांव में जिला संयोजक मंडल के सदस्य सह प्रखण्ड प्रभारी सेन्हा जिला परिषद सदस्य राधा तिकी, बालमुकुंद लोहरा, केन्द्रीय समिति सदस्य सह भंडारा और लोहरदगा प्रखंड प्रभारी समीद अंसारी, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मो सजाद की उपस्थिति में सदस्यता अभियान चलाया गया। मौके पर जेएमएम के नीति सिद्धान्तों के बारे में बतलाते हुए सदस्यता अभियान को बड़े पैमाने पर चलाने का फैसला करने में सहमत हुए। वही खराब जल मीनार के कारण आस पास के कई घरों के लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। खराब पड़े जलमीनार केवल सोभा की वस्तु बन कर रह गयी है। ग्रामीणों का कहना है कि जलमीनार तो लगा है लेकिन खराब रहने के कारण लोगों को दूर से पानी लाकर पीना पड़ रहा है। यदि जल्द में जलमीनार नहीं बनता है तो लोगों को पेयजल की समस्या उत्पन्न हो जायेगी।

डीएमओ ने अवैध चिप्स लोडेड ट्रैक्टर को पकड़ा



लोहरदगा (आजाद सिपाही)। स्थानीय खनिज का अवैध दोहन और सरकारी राजस्व की चोरी रोकने को लेकर बुधवार को जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद की अगुवाय में स्पेशल अभियान चलाया गया। इस दौरान सदर थाना क्षेत्र के हरमू रोड में अवैध चिप्स लोड कर जा रहे ट्रैक्टर को रोक कर कामजातों की पड़ताल की गयी। जांच पड़ताल में ट्रैक्टर चालक द्वारा चालन समेत किसी प्रकार की वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। बगैर चालन के चिप्स को अवैध मानते हुए उसे जब्त किया गया। चिप्स लोडेड ट्रैक्टर को सदर थाना के हवाले कर दिया गया। इस संदर्भ में डीएमओ राजाराम प्रसाद द्वारा आरोपियों के विरुद्ध सदर थाना में प्राथमिक दर्ज कराया गया।

वाहन जांच अभियान में दर्जनों बाइक जब्त

कुड़/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा पुलिस कप्तान हारिस बिन जमा के निर्देश पर कुड़ थाना पुलिस ने बुधवार 29 जनवरी को थाना गेट के समीप वाहन जांच अभियान चलाया। इधर से गुजर रहे अधिकांश दोपहिया वाहनों की जांच की गयी। इस दौरान हेलमेट, कामजात के साथ साथ ड्रिक्की की भी जांच की गयी। दर्जनों बाइक को जब्त किया कर अमली कार्रवाई के लिए जिला परिवहन विभाग को सूचित किया गया।

कोयलांचल वासियों को गणतंत्र दिवस कि हार्दिक शुभकामनाएं



अंबर कुमार
महामंत्री,
भारतीय जनता युवा मोर्चा पतरातु
सह विस्थापित नेता बरकासयाल क्षेत्र



भारतीय प्रजातन्त्र एवं सुदृढ़ न्याय व्यवस्था के प्रतीक

गणतंत्र दिवस

की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

जय हिन्द | जय भारत | जय झारखंड



जिला आपूर्ति पदाधिकारी
गुमला

एसडीएम ने बताया कि व्यापार मंडल के भवन में गलत तरीके से अतिक्रमण किया गया है। भवन में कुड़ी - भूसा रखा गया है, जो गलत है। इस मौके पर बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी, सीओ मनिस सिन्हा और एमओ ब्रजेश कुमार उपस्थित थे।

